>

Title: Need to bring out a White Paper on the steps taken by the Government to tackle drought situation in the country-Laid.

*m01

श्री दत्ता मेघे (वर्धा): मानसून हमारे देश की अर्थव्यवस्था का आधार माना जाता है। इस वर्ष हमारे देश में मानसून की वर्षा देर से और कम मात्रा में होने के कारण अनेक भागों में सूखे के जैसी स्थिति पैदा हो गई है, खासतौर पर उत्तर भारत के पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, विदर्भ आदि स्थानों में 46 फीसदी से भी कम वर्षा हुई है। खरीफ की बुवाई प्रभावित हो चुकी है। अभी तक बुवाई के आकड़ो के अनुसार खरीफ के उत्पादन में 25 फीसदी की कमी का अनुमान है। बांधों में पानी घटने से बिजली उत्पादन में कमी आई है।

ऐसी स्थिति में किसान दोबारा बीज खरीदने की हालत में नहीं है। गांवों में पेयजल और चारे की समस्या पैदा हो गई है। हमारे विदर्भ क्षेत्र में हर 15 दिनों में किसानों द्वारा आत्महत्याओं की खबरें आ रही हैं। सरकार ने इस सूखे की स्थिति का सामना करने के लिए क्या योजना बनाई है, इसका विस्तृत विवरण सदन को बताया जाना चाहिए। सिंचाई परियोजनाओं में तेजी लाने, भूजल स्तर को सुधारने और बारिश के जल के संरक्षण के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है, इन सब बातों के संबंध में सरकार को एक श्वेत-पत्र प्रकाशित करना चाहिए। धान, गन्ने, सोयाबीन और कपास को जुलाई में भरपूर बारिश चाहिए और तिलहन, दलहन की बुवाई के लिए खेतों में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। सरकार किसानों को इस दिशा में मदद करने के क्या कदम उठा रही है, इसको स्पष्ट किया जाना चाहिए।